Maharashtra State Board Class 10 Hindi Lokbharti Chapter 11 कृषक गान

Hindi Lokbharti 10th Std Digest Chapter 11 कृषक गान Textbook Questions and Answers

कृति

कृतिपत्रिका के प्रश्न 2 (अ) तथा प्रश्न 2 (आ) के लिए
सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

प्रश्न 1.
संजाल पूर्ण कीजिए:

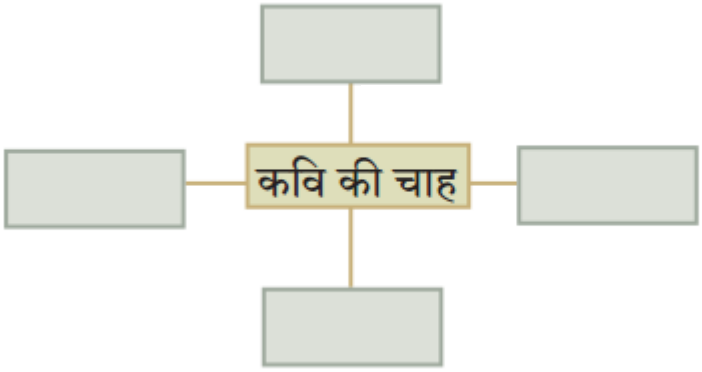

उत्तर:

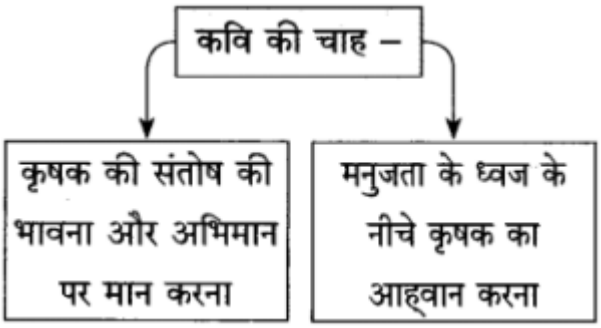

प्रश्न 2.
कृतियाँ पूर्ण कीजिए:

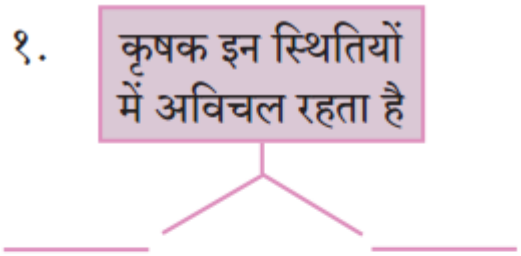

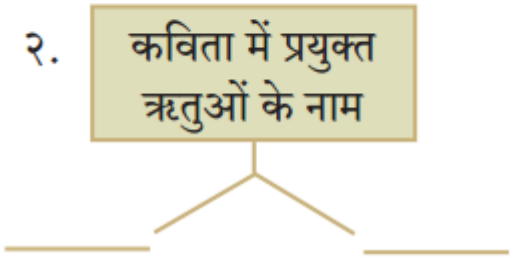

उत्तर:

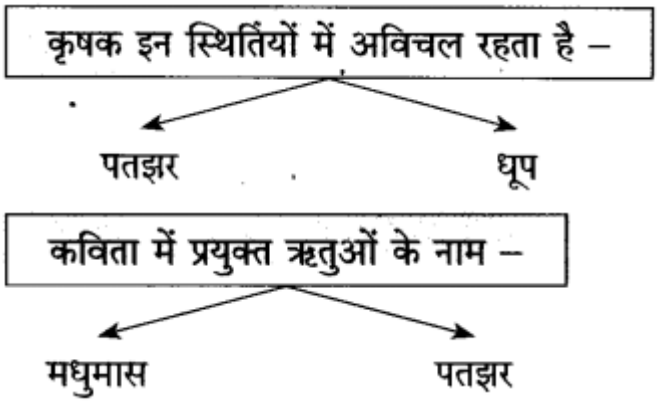

प्रश्न 3.
वाक्य पूर्ण कीजिए:
a. कृषक कमजोर शरीर को _____
b. कृषक बंजर जमीन को _____
उत्तर:
(i) कृषक कमजोर शरीर को पत्तियों से पालता है।
(ii) कृषक बंजर जमीन को अपने खून से सींचकर उर्वरा बना देता है।

प्रश्न 4.
निम्नलिखित पंक्तियों में कवि के मन में कृषक के प्रति जागृत होने वाले भाव लिखिए:

https://www.evidyarthi.in/

पंक्ति	भाव
१. आज उसपर मान कर लूँ	
२. आह्वान उसका आज कर लूँ	
३. नव सृष्टि का निर्माण कर लूँ	
४. आज उसका ध्यान कर लूँ।	

उत्तर:

पंक्ति	भाव
१. आज उसपर मान कर लूँ	अभिमान
२. आह्वान उसका आज कर लूँ	मानवता
३. नव सृष्टि का निर्माण कर लूँ	सृजनशीलता
४. आज उसका ध्यान कर लूँ।	आदर

प्रश्न 5.
कविता में आए इन शब्दों के लिए प्रयुक्त शब्द हैं:
१. निर्माता – _____
२. शरीर – _____
३. राक्षस – _____
४. मानव – _____
उत्तर:
१. निर्माता – सृजक
२. शरीर – तन
३. राक्षस – असुर।
४. मानवता – मनुजता।

प्रश्न 6.

कविता की प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।

उत्तर:

कृषक के अभावों की कोई सीमा नहीं है। परंतु वह संतोष रूपी धन के सहारे अपना जीवन व्यतीत कर रहा है। पूरे संसार में कैसा भी वसंत आए, कृषक के जीवन में सदैव पतझड़ ही बना रहता है। अर्थात ऋतुएँ बदलती हैं, लोगों की परिस्थितियाँ बदलती हैं, परंतु कृषक के भाग्य में अभाव ही अभाव हैं। ऐसी दयनीय स्थिति के बावजूद उसे किसी से कुछ माँगना अच्छा नहीं लगता। वह हाथ फैलाना नहीं जानता। कृषक को अपनी दीन-हीन दशा पर भी नाज है। मैं ऐसे व्यक्ति पर अभिमान करना चाहता हूँ। कृषक के गीत गाना चाहता हूँ।

प्रश्न 7.

निम्न मुद्दों के आधार पर पद्य विश्लेषण कीजिए:

1. रचनाकार कवि का नाम:
2. रचना का प्रकार:
3. पसंदीदा पंक्ति:
4. पसंदीदा होने का कारण:
5. रचना से प्राप्त प्रेरणा:

उत्तर:

(1) रचनाकार का नाम → दिनेश भारद्वाज।

(2) कविता की विधा → गान।

(3) पसंदीदा पंक्ति → हाथ में संतोष की तलवार ले जो उड़ रहा है।

(4) पसंदीदा होने का कारण → अनगिनत अभावों के होते हुए भी कृषक के पास संतोष रूपी धन है।

(5) रचना से प्राप्त संदेश/प्रेरणा → कृषक दिन-रात परिश्रम करके संपूर्ण सृष्टि का पालन करता है। हमें उसके परिश्रम के महत्त्व को समझना चाहिए। उसका सम्मान करना चाहिए।

https://www.evidyarthi.in/